



# e-Gyan

JULY 2025

Monthly Newsletter of Maharishi Organisation – India

महर्षि संस्थान भारत का मासिक सूचना पत्र

अंक - एक सौ पिचानवे Volume - 195

Website : [www.e-gyaan.net](http://www.e-gyaan.net)

## श्री गुरु पूर्णिमा महोत्सव

विशेषांक



**ब्रह्मचारी गिरीश जी**

कुलाधिपति: महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय (म.प्र.) एवं

महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट एण्ड टेक्नोलॉजी, छत्तीसगढ़

अध्यक्ष: महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय समूह एवं महर्षि विश्व शांति आंदोलन

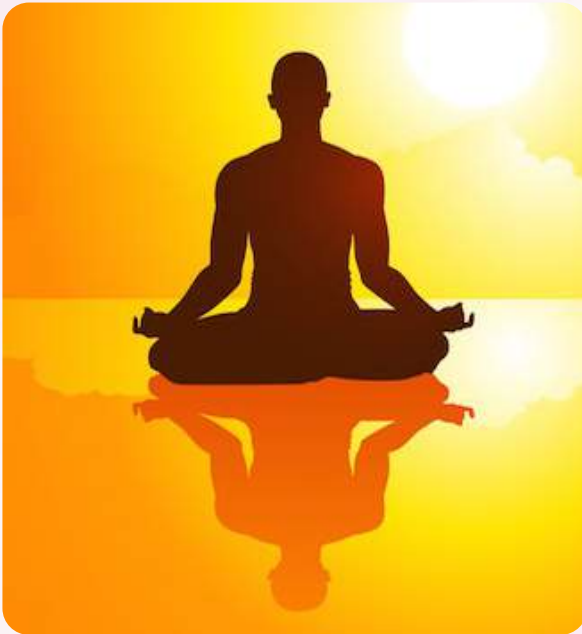




# सम्पादकीय

## जीव एवं ईश्वर

ब्रह्मचारी गिरीश जी  
अध्यक्ष, महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय समूह



एक आध्यात्मिक सूनापन लगता है, कोई शांत एवं सुखी नहीं दिखाई देता। इतनी हिंसा, इतने उपद्रव क्या भगवत्ता का प्रमाण देते हैं? इनका मूल जो है, वह तो चेतना है, उसे पकड़ा नहीं जा सकता। हमने प्रार्थना को पहले रख लिया है और परमात्मा को पीछे। प्रार्थना यानी माँग। हमने छाया को पहले रख लिया है और मूल को पीछे। छाया को पकड़ने चले हैं और मूल पकड़ में आता नहीं। एक कथा है जो इसका प्रमाण देती है। सुबह की धूप में घर के आँगन में एक बच्चा खेल रहा था और अपनी छाया को पकड़ने के प्रयास में जुटा था। वह अपनी छाया पर झपट्टा मारता, मगर छाया पकड़ में नहीं आती, तो रोता-चिल्लाता और पुनः झपट्टा मारता। उसकी माँ उसे समझाए जा रही थी कि बेटा, छाया पकड़ में नहीं आती! मगर वह मानता ही नहीं

था। छाया सामने दिखाई पड़ रही, तो पकड़ में क्यों नहीं आएगी? यह तो रही हाथ भर की दूरी पर। तो वह फिर उसकी ओर सरकता, फिर पकड़ने का प्रयास करता, किंतु वह जैसे ही छाया की ओर सरकता, छाया भी आगे सरक जाती। द्वार पर एक फकीर आया। वह बच्चे की चेष्टा देखकर हँसने लगा। उसने उसकी माँ से कहा, क्या मैं अंदर आ सकता हूँ? मैं समझा सकता हूँ इस बच्चे को। माँ थक गई थी। उसने कहा, अवश्य आइए, सुबह से मुझे परेशान किए हुए है, काम भी नहीं करने देता। छाया पकड़ना चाहता है! छाया भी कहीं पकड़ी जाती है? फकीर ने कहा, पकड़ने का ढंग होता है। उसने बच्चे का हाथ लिया और उसके ही सिर पर रख दिया। शीघ्र उसकी छाया बदल गई। इधर बच्चे का हाथ सिर पर गया, उधर छाया भी पकड़ में आ गई। बच्चा खिलखिलाने लगा। अपने को पकड़ने से छाया पकड़ में आ गई। मूल को पकड़ा, तो छाया पकड़ में आ गई। यह गहरा सूत्र है उन सबके लिए, जो बाहर खोज रहे हैं। बाहर लोग जो खोज रहे हैं, वे सब छाया हैं। ईश्वर नाम का कोई व्यक्ति कभी नहीं मिलेगा। ईश्वर आपकी ही निर-अहंकार भाव-दशा का नाम है! वह कोई व्यक्ति नहीं, वह कोई आकाश में स्वर्ण-सिंहासन पर विराजमान जगत का शासक नहीं।

परमात्मा है आपकी ही वह विशुद्ध स्थिति, जब अहंकार की जरा सी भी मात्रा शेष नहीं रह जाती। ईश्वर में शुद्ध सतोगुण पाया जाता है इसलिए ईश्वर सर्वज्ञ हैं और जीव अल्पज्ञ है, जितना सतोगुण अधिक होगा उतना आत्मा/ब्रह्म स्वरूप का बोध होगा और ईश्वर तो शुद्ध सतोगुण माया से परिपूर्ण है जिस कारण ईश्वर अनन्त ज्ञानी एवं सर्वज्ञ है पर जीव में मलिन रज-तम भी है अतः जीव अल्प ज्ञानी है। शक्ति का अर्थ माया भी होता है और माया ईश्वर के अधीन होने से ईश्वर माया से कुछ भी कर सकता है इसीलिए ईश्वर सर्व शक्तिमान है पर जीव माया के अधीन होने से अल्प शक्ति वाला है। जीव अनेक हैं ईश्वर एक है क्योंकि ब्रह्म जब माया द्वारा सृष्टि रचना, पालन व संहार करता है तो वह ईश्वर कहलाता है और माया एक है अतः ईश्वर भी एक है पर जीव अनेक हैं क्योंकि माया अनेक/अनंत अविद्या रूपी स्वरूपों को प्रकट करती है। इन्हीं अविद्या में ब्रह्म का प्रतिबिम्ब पड़ने से अनेक/अनंत जीव प्रकट होते हैं। इसलिए जीव अनेक/अनंत हैं पर ईश्वर एक है। जीव, ईश्वर और माया के अधीन है स्वतंत्र नहीं है पर ईश्वर पूर्णतः स्वतंत्र है, जीव, माया के तीन गुणों के अधीन होने से स्वतंत्र नहीं है। जब तक वह अपने वास्तविक स्वरूप आत्मा का साक्षात्कार न कर ले तब तक जन्म मृत्यु के बंधन में बंधा हुआ पराधीन है पर ईश्वर किसी के अधीन नहीं है ईश्वर सदैव अपने आत्म स्वरूप में स्थित रहता है। जीव को अपना वास्तविक स्वरूप, आत्मा का बोध न होने से जीव अपने स्वरूप से अनभिज्ञ है। उसका स्वरूप उसके लिए परोक्ष है पर ईश्वर में शुद्ध सतोगुण होने से ईश्वर स्वयं के ब्रह्म/आत्म स्वरूप को जानता है पर जीव नहीं जानता। जीव ईश्वर के समान पूर्णतः सामर्थ्यवान नहीं है, ईश्वर, माया को अपने अधीन रखते हुए असाधारण कार्य कर सकता है, प्रकृति के नियमों से ऊपर के कार्य कर सकता है। जीव, माया के अधीन होने से प्रकृति के सभी नियमों में बंधा हुआ है पर ईश्वर असीम सामर्थ्यवान है क्योंकि माया/शक्ति ईश्वर के अधीन है। ईश्वर सर्वव्यापक है पर जीव सीमित है, एक स्थान पर एक समय में ही रह सकता है पर ईश्वर प्रत्येक समय, प्रत्येक स्थान में विद्यमान है, जीव सर्व व्यापी नहीं है। माया के सीमित दायरे में है क्योंकि जीव अनेक हैं निश्चित काल, देश, अवस्था, परिस्थिति के अधीन है पर ईश्वर मायापति होने से सर्व व्यापी है। पहले शुद्ध ब्रह्म माया के साथ मिलकर ईश्वर का रूप धारण करता है पश्चात् जीव जगत में परिवर्तित हो जाता है तो भी ईश्वर अपने ऐश्वर्य अस्तित्व में बना रहता है। ब्रह्म का शुद्ध सतोगुणी माया पर पड़ने वाला प्रभाव चैतन्य ईश्वर है इसीलिए ईश्वर सतोगुणी माया उपाधि वाला है और स्वरूप से ब्रह्म या आत्मा ही है। ईश्वर को अपने स्वरूप का बोध है पर जीव को नहीं, जिस कारण ईश्वर सृष्टि करता हुआ भी अकर्ता है, निष्काम है अपने स्वरूप में स्थित है। ये गुण-धर्म हैं जिनके कारण ईश्वर और जीव में भेद है, वास्तव में एक ब्रह्म ही माया की उपाधि धारण कर ईश्वर बन जाता है वहीं ब्रह्म अविद्या की उपाधि धारण कर जीव बन जाता है। अतः जीव यदि अविद्या रूपी अज्ञान के बंधन को काट दे तो जीव भी तत्त्व से वही ब्रह्म है, यदि जीव अपनी आत्मा का साक्षात्कार कर ले तो वह अपने सच्चिदानंद स्वरूप को प्राप्त हो जायेगा...! इसको पढ़ने, समझने एवं धारण करना कठिन अवश्य है किंतु असंभव नहीं। परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी सदैव मानवजाति को इस सन्देश से प्रेरित एवं प्रोत्साहित करते रहे कि "जीवन संघर्ष नहीं है"— "जीवन तो आनंद है" हम सभी स्वयं में ईश्वर का दर्शन कर सकते हैं क्योंकि वह हमारे भीतर ही तो है और उसका दर्शन तब ही हो सकता है जब हम स्वयं को उनके सान्निध्य के लिये प्रेरित करें एवं इस प्रेरणा और साधना का एक सरलतम उपाय भी हम सबको दिया है महर्षि महेश योगी जी ने "भावातीत ध्यान-योग" के रूप में जिसका प्रतिदिन एवं नियमित रूप से 15-20 मिनट का प्रातः एवं संध्या के समय अभ्यास करने से आप अपने जीवन के लक्ष्य के प्रति शनैः-शनैः बढ़ते जाते हैं और एक दिन हमारा जीवन संघर्ष से आनंद के प्रति गति को प्राप्त करने का अनुभव प्रदान करता है। समय अवश्य लग सकता है किंतु प्रयास अवश्य प्रारंभ करें क्योंकि जीवन आनंद है।





## Shri Guru Purnima Celebration 09 & 10 July 2025

Following the holy traditions of Maharishi Organisation, two days Shri Guru Purnima celebration was organised under the chairmanship of Brahmachari Girish Ji, the most blessed disciple of His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji at Maharishi Utsav Bhawan, Bhopal with full fervor and dignity on 9<sup>th</sup> and 10<sup>th</sup> July 2025.



Two-days "Shri Guru Purnima Mahotsav" started on 9th July with Bhajan Sandhya. Renowned Bhajan singer Sushri Atri Kotal was the lead singer and she was supported by renowned tabla player Shri Anup Ghosh, harmonium player, Shri Lalit Sisodiya and flute player, Shri Amar Bhola. Their symphony enthralled everyone present in the Maharishi Utsav Bhawan and others who have joined the celebration online. Sushri Atri Kotal encouraged everyone to sing and express their inner joy. Many in the audience joined her in singing.



Brahmachari Girish Ji, Hon'ble Chairman, Maharishi Group of Educational Institutions praised the performances of all the artists led by Sushri Atri Kotal.



## Second day -

The auspicious day of Shri Guru Purnima was celebrated on 10<sup>th</sup> July under the leadership of Hon'ble Brahmachari Girish Ji with full fervor and dignity at Maharishi Utsav Bhawan, Bhopal.

Shri Guru Purnima celebration began with Shri Guru Parampara Poojan. Thereafter Batuk Pundits chanted Vedic Shanti Path which enthralled the audience.

In his address, Brahmachari Girish Ji emphasized the profound significance of the Vedic Guru Parampara,



stating, "Today is a special day for the Vedic Guru Parampara. Jagadguru Shankaracharya Swami Brahmanand Saraswati Ji Maharaj, born in a small village in Uttar Pradesh, started his journey from humble beginnings and became the Shankaracharya of Jyotirmath. This was nothing short of extraordinary. Shankaracharya Brahmanand Saraswati Ji Maharaj was honored with numerous titles, including "Ananta Shri Vibhushit", a distinction previously unheard of for any spiritual leader.

Brahmachari Girish Ji further elaborated how Maharishi Mahesh Yogi Ji dedicated his life to expanding the knowledge received from his Guru Ananta Shri Vibhushit Jyotishpithoddharak Jagadguru Swami Brahmanand Saraswati Ji Maharaj Shankaracharya of Jyotishpeeth Himalaya and spreading spirituality worldwide. Maharishi Ji traveled to 124 countries, introducing the importance of consciousness to the entire world. He frequently emphasized the principle of "Ek Hi Sadhe Sab Sadhe", meaning that by mastering consciousness, all endeavors become successful. He taught that the simplest path to gain the level of pure consciousness is through regular practice of Transcendental Meditation (TM). Working from the level of pure consciousness gets the full support of all Laws of Nature to achieve all desired outcomes.

Brahmachari Girish Ji also emphasized the significant role of many individuals, including one's guru, in achieving anything in life. Brahmachari Girish stated that "there is no greater virtue than repaying the guru's debt. This doesn't require material offerings but rather complete surrender to the guru. Such devotion leads to personal well-being and enables individuals to contribute to the welfare of the world."

Thereafter Brahmachari Girish Ji offered all the achievements of Maharishi Organisations of the year to the lotus feet of Shri Guru Dev Brahmanand Saraswati Ji Maharaj and His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji. Also Brahmachari Girish Ji released the monthly E-Gyan newsletter of Maharishi Vidya Mandir School Group, quarterly newsletter of Maharishi World Peace Movement, Mahamedia monthly magazine, Maharishi Adhyatmik Jan-Jagran Abhiyan (MAJA) brochure and Maharishi Vedic Science Book Part-I.



The year 2025 is of special significance in the sense that one of the most notable figure of Maharishi Organisation Prof. Bhuvnesh Sharma Ji has completed 50 years of his association with Maharishi Organisation. He has also completed 75 years of his age. On this auspicious occasion Hon'ble Chairman Maharishi Group





Gurudev and Maharishi Ji, Prof. Bhuvnesh Sharma Ji will continue to bless the society with his knowledge for many more years to come.

On this auspicious occasion, Prof. Bhuvnesh Sharma, former Vice Chancellor of Maharishi Mahesh Yogi Vedic Vishwavidyalaya said that "today is a special day for all of us. We praise the Guru every day, and the Guru Purnima celebration ensures that our lives remain connected with the Guru throughout the year. It is not enough to just say "Jai Guru Dev" to each other. The essence of Brahm is knowledge. Your life becomes blissful only when you have this knowledge. Maharishi Ji used to say, "Vedas are complete knowledge." He believed that with complete knowledge, life would be disciplined, and be filled with attraction, satisfaction."



In the afternoon session of Shri Guru Purnima celebration, Dr. P. C. Joshi, Executive Director, Shri V. R. Khare, Director CPR, Shri Yateesh Saxena, Additional Director P&A and Vaidya Madhusudan Deshpande, Director MAHA also addressed and dedicated all the achievements of their departments at the lotus feet of Shri Gurudev Ji and His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji.

Before completion of the programme, a video message from Maharishi Ji was shown. In this, Maharishi Ji talked about his spiritual journey with his Guru, Shri Gurudev Brahmanand Saraswati Ji Maharaj.

***Jai Guru Dev, Jai Maharishi Ji***





# Photographs of Shri Guru Purnima Celebration





# Shri Guru Purnima Celebration at MVM Schools

On 10 July 2025, Shri Guru Purnima was celebrated with great enthusiasm in all Maharishi Vidya Mandir, Schools across the country.

These celebrations began with the lighting of lamp and Shri Guru Parampara Pujan as per the Vedic traditions.

*The celebration at various MVM Schools is depicted through the following picture gallery -*



*Maharishi Vidya Mandir, Hyderabad*



*Maharishi Vidya Mandir, Hyderabad*



*Maharishi School of Excellence, Chennai*



*Maharishi School of Excellence, Chennai*



*Maharishi Vidya Mandir, Fatehpur*



*Maharishi Vidya Mandir, Fatehpur*



# Shri Guru Purnima Celebration Photographs



*Maharishi Vidya Mandir, Basti*



*Maharishi Vidya Mandir, Basti*



*Maharishi Vidya Mandir, Bhandara*



*Maharishi Vidya Mandir, Bhandara*



*Maharishi Vidya Mandir-I, Bilaspur*



*Maharishi Vidya Mandir-I, Bilaspur*



*Maharishi Vidya Mandir, Chhatarpur*



*Maharishi Vidya Mandir, Chhatarpur*



# Shri Guru Purnima Celebration Photographs



*Maharishi Vidya Mandir-I, Guwahati*



*Maharishi Vidya Mandir-I, Guwahati*



*Maharishi Vidya Mandir, Haldwani*



*Maharishi Vidya Mandir, Haldwani*



*Maharishi Vidya Mandir, Junsai Prayagraj*



*Maharishi Vidya Mandir, Junsai Prayagraj*



*Maharishi Vidya Mandir-I, Indore*



*Maharishi Vidya Mandir-I, Indore*



# Shri Guru Purnima Celebration Photographs



*Maharishi Vidya Mandir-I, Raipur*



*Maharishi Vidya Mandir-I, Raipur*



*Maharishi Vidya Mandir, Rayagada*



*Maharishi Vidya Mandir, Rayagada*



*Maharishi Kids Home, Jorhat*



*Maharishi Vidya Mandir, Satna*



*Maharishi Vidya Mandir, Shahdol*



*Maharishi Vidya Mandir, Shahdol*



# Shri Guru Purnima Celebration Photographs



*Maharishi Vidya Mandir, Shajapur*



*Maharishi Vidya Mandir, Shajapur*



*Maharishi Vidya Mandir, Almora*



*Maharishi Vidya Mandir, Almora*



*Maharishi Vidya Mandir, Amarpatan*



*Maharishi Vidya Mandir, Amarpatan*



*Maharishi Vidya Mandir, Chhindwara*



*Maharishi Vidya Mandir, Chhindwara*



# Shri Guru Purnima Celebration Photographs



*Maharishi Vidya Mandir-II, Jabalpur*



*Maharishi Vidya Mandir-II, Jabalpur*



*Maharishi Vidya Mandir-V, Jabalpur*



*Maharishi Vidya Mandir-V, Jabalpur*



*Maharishi Vidya Mandir-VI, Jabalpur*



*Maharishi Vidya Mandir-VI, Jabalpur*



*Maharishi Vidya Mandir, Jind*



*Maharishi Vidya Mandir, Jind*



# Shri Guru Purnima Celebration Photographs



*Maharishi Vidya Mandir, Maihar*



*Maharishi Vidya Mandir, Maihar*



*Maharishi Vidya Mandir, Bhowali*



*Maharishi Vidya Mandir, Bhowali*



*Maharishi Vidya Mandir, Rudrapur*



*Maharishi Vidya Mandir, Rudrapur*



*Maharishi Vidya Mandir, Nowgaon*



*Maharishi Vidya Mandir, Nowgaon*



# Shri Guru Purnima Celebration Photographs



*Maharishi Vidya Mandir, Naini Prayagraj*



*Maharishi Vidya Mandir, Naini Prayagraj*



*Maharishi Vidya Mandir-I, Gorakhpur*



*Maharishi Vidya Mandir-I, Gorakhpur*



*Maharishi Vidya Mandir, Angul*



*Maharishi Vidya Mandir, Angul*



*Maharishi Vidya Mandir, Bhubaneswar*



*Maharishi Vidya Mandir, Bhubaneswar*





## विश्व हिन्दू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय संरक्षक जी का ब्रह्मस्थान भ्रमण

विश्व हिन्दू परिषद के माननीय अंतर्राष्ट्रीय संरक्षक श्री दिनेश जी ने भारत के ब्रह्मस्थान (भौगोलिक केंद्र), ग्राम करौंदी, जिला कटनी में स्थित महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ एवं महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय के मुख्यालय का भ्रमण किया। श्री दिनेश जी ने 1331 महर्षि वैदिक पंडितों द्वारा संपन्न श्री अतिरुद्राभिषेक में भाग लिया एवं अद्भुत शांति महायज्ञ के 5 यज्ञ मंडपों और विश्वविद्यालय के प्रशासनिक केंद्र का भ्रमण किया।

इस अवसर पर वैदिक पंडितों को अपने संबोधन में, श्री दिनेश जी ने उन्हें प्रेरित किया और विश्व परिवार एवं राष्ट्रों के हित हेतु वैदिक यज्ञों के ऐसे महान आयोजनों को जारी रखने का आवाहन किया। उन्होंने कहा कि "केवल महर्षि जी ही इस युग में हजारों पंडितों के लिए ऐसे वैदिक केंद्र स्थापित कर सके। परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी की दिव्य छत्रछाया में आप सभी पंडितगण इस वैदिक शिक्षा को प्राप्त करने और स्वयं को प्रबुद्ध करने के लिए भाग्यशाली हैं।" महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय समूह के माननीय अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी ने श्री दिनेश जी को महर्षि परिसर का भ्रमण कराया। श्री दिनेश जी ने महर्षि जी के सभी महान कार्यक्रम और विरासत को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए ब्रह्मचारी गिरीश जी और महर्षि संगठन के सभी प्रयासों की सराहना की।





## Brahmachari Girish Ji met Dr. Ravindra Kanhere

Hon'ble Chairman, Maharishi Group of Educational Institutions, Brahmachari Girish Ji met Dr. Ravindra Kanhere, National President of Vidya Bharati with other senior office bearers of Vidya Bharati from Madhya Pradesh. A very fruitful discussion took place on present education system and need to add spiritual contents at all levels of education in India. Shri Kanhere Ji and his team members presented a book "Vikas Path" to Brahmachari Girish Ji.



## अखिल भारतीय संत समिति के महासचिव जी का महर्षि संस्थान भ्रमण

अखिल भारतीय संत समिति के महासचिव स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती जी महाराज ने महर्षि संस्थान में पधार कर महर्षि जी के सभी संगठनों और कार्यक्रमों की सफलता के लिए अपना आशीर्वाद दिया। स्वामी जी ने समाज के विकास और विश्व में शांति की स्थापना के लिए ब्रह्मचारी गिरीश जी द्वारा किए गए सभी कार्यों की सराहना की। स्वामी जी के साथ उदासीन अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी अनिलानन्द जी महाराज भी पधारे।







## Maharishi World Peace Assembly 5 to 11 July 2025

In today's environment, where there is competition to surpass each other, it is natural for a common person to have the feeling that 'life is a struggle, life is difficult'. In such a situation, one easily remembers the message of the great saint of Bharat, His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji, who believed that 'Life is Bliss, Life is Joyful'. For the first time, Maharishi Ji presented Vedic Knowledge in very simple and understandable language to the world. Maharishi Ji not only presented the theoretical aspect of the Vedas and Vedic literature but also provided the practical technique of Transcendental Meditation, which establishes harmony and peace in the mind, intellect, consciousness and body. When the mind is calm and there is no worry, then one will definitely experience happiness in life.



On this basis, Hon'ble Chairman MVM Schools Group, Brahmachari Girish Ji, the most blessed and dedicated disciple of the His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji, initiated organising of Maharishi World Peace Assemblies from 2022.

In this context, MWPA was organised from 5 to 11 July 2025 at Maharishi Bliss Residency, Bhopal. As Shri Guru Purnima was on 10 July, the theme of MWPA was "to know Guru Bhakti and its influence in collective conscientious of India and the world for creating Heaven on Earth".

Brahmachari Girish Ji, Hon'ble Chairman Maharishi Vidya Mandir Schools Group, inaugurated the 7 days Assembly and said that "Vedas are complete knowledge. For the first time, His Holiness Maharishi Ji spread the knowledge contained in the Vedas in very simple and understandable language in 120 countries of the world. He also told the entire humanity that the basis of all good conduct in life is governed by consciousness. Only those people who work with awakened and pure consciousness, become part of a healthy society. Only such conscious persons lead the entire humanity towards happiness."

45 participants attended the Assembly. Prof. Bhuvnesh Sharma, former Hon'ble Vice-Chancellor Maharishi Mahesh Yogi Vedic Vishwavidyalaya, Shri V. R. Khare, Secretary General of Maharishi World Peace Movement, Smt. Arya Nandkumar, National Secretary of Communication of MWPM and Shri R. S. Patwari, MCBE Coordinator also addressed the assembly.



# Maharishi World Peace Assembly

## 5-11 July 2025







## Maha Rudrabhishek Yagya

In the holy month of Shravan, Ved Vidya Martand Brahmachari Girish Ji, Hon'ble Chairman Maharishi Vidya Mandir Schools Group, performed Maharudrabhishek of Dwadash Jyotirlingas at Maharishi Utsav Bhawan, Gurudev Brahmanand Saraswati Ashram, Bhopal along with 121 Maharishi Vedic Pundits. As soon as Maha Rudrabhishek Yagya started, Lord Indra blessed the whole atmosphere with heavy rain. Many dignitaries of the city, Directors of Maharishi Vidya Mandir Schools Group, officials of Maharishi Ved Vigyan Vishwa Vidyapeeth and members of other Maharishi Organisations were present on the occasion.

In his address Brahmachari Ji said "Lord Shiva in the form of Rudra is the provider of all achievements in life which includes happiness, peace, prosperity, knowledge, perfect health, enlightenment and invincibility. Maharishi Organisation is organising Atirudrabhishek by 1331 Vedic pundits at Brahmsthan (Geographical Centre) of India continuously since 2012. Millions of devotees from over 100 countries and all over India have enjoyed darshan and blessings so far."

Brahmachari Ji also said that every person must perform Rudrabhishek on every Monday of the month of Shravan.







## डेंटल केयर अवेयरनेस कैंपेन-2025

मास्टर हेल्थ प्रोडक्ट्स द्वारा राजधानी भोपाल के एल.एन. मेडिकल कॉलेज व जे.के. हॉस्पिटल परिसर में 22 जुलाई 2025 को डेंटल केयर जागरूकता अभियान 2025 कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें उपस्थित जनों को मुंह के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश के माननीय उपमुख्यमंत्री, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल जी एवं विशिष्ट अतिथि माननीय अध्यक्ष, महर्षि शैक्षणिक संस्थान समूह ब्रह्मचारी गिरीश जी थे।

अभियान का शुभारंभ करते हुए श्री राजेंद्र शुक्ल जी ने कहा कि हमारी सरकार का लक्ष्य केवल उपचार नहीं, अपितु जनजागरूकता के माध्यम से लोगों को बीमारियों के होने से पहले ही बचाना है। दांतों की सेहत पूरे शरीर के स्वास्थ्य से जुड़ी होती है। कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए डेंटल सर्जन्स, एक्सपर्ट्स और कई दंत चिकित्सा विद्यार्थियों ने भाग लिया।



इस अवसर पर अध्यक्ष, महर्षि शैक्षणिक संस्थान समूह ब्रह्मचारी गिरीश जी ने मुख एवं दांतों की स्वच्छता तथा स्वास्थ्य के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि “दांतों को स्वच्छ एवं स्वस्थ रखने के लिए पौष्टिक भोजन जैसे कि दही, दालें, फल, हरी सब्जियों का अत्याधिक प्रयोग करें। रेशे युक्त पदार्थों का सेवन करें। दांतों पर चिपकने वाली वस्तुयें जैसे टाफी, चाकलेट, मिठाई इत्यादि का अत्यधिक सेवन न करें। दिन में दो बार

सुबह एवं रात्रि सोने से पहले ब्रश अवश्य करें। नशे के उत्पाद तंबाकू, सिगरेट, बीडी, शराब, गुटखा, पान, सुपारी, जर्दा, खैनी का सेवन न करें।”

इस कार्यक्रम में श्री अनुपम चौकसे, सचिव, एलएनसीटी ग्रुप, धर्मेन्द्र गुप्ता, डायरेक्टर, एलएनसीटी ग्रुप, डॉ. चंद्रेश शुक्ला, अध्यक्ष, मप्र राज्य डेंटल काउंसिल एवं सदस्य, डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया एवं श्री सुरेश एलगावन, अध्यक्ष, मास्टर हेल्थ प्रोडक्ट्स इंडिया प्रा. लि. भी उपस्थित थे।







## Sanskrit Speaking Teachers Training Course

Sanskrit Speaking Teachers Training Course was organised from 15th to 29th July 2025 at Maharishi Centre of Educational Excellence, Bhopal.

18 teachers of Sanskrit from various MVM Schools of Bhopal region completed the course. It was conducted by Dr. Satyavani and Smt. Devaki, both qualified and experienced Sanskrit Teachers.

These trained teachers will train about 6000 students every year in spoken Sanskrit in MVM Schools.



Addressing valedictory session, Hon'ble Chairman MVM Schools Group, Ved Vidya Martand Brahmachari Girish Ji reminded of resolution passed about Sanskrit teaching and announced organising many such courses with larger number of teachers to cover about 10 lakh members of Maharishi Organisation in next two years.

Prof. Bhuvnesh Sharma, former VC of Maharishi Mahesh Yogi Vedic University inspired the teachers and said that "Sanskrit is Dev Vani and it improves overall personality of the individual and enhances the level of consciousness."

Brahmachari Ji appreciated and thanked Shri V. R. Khare Ji, Director Communication and Public Relations of MVM Group and Smt. Arya Nand Kumar, Joint-Director for organising and making all arrangement for this course. Shri Khare has mentioned that very soon, next online and residential course will start. All course participants, Dr. Satyavani and Smt. Devaki were honoured with a certificate, sweets, flowers and mementos.





# Sanskrit Teachers Training Course

## 15-29 July 2025





# महर्षि आध्यात्मिक जनजागरण अभियान

## महर्षि विद्या मन्दिर फतेहपुर

महर्षि आध्यात्मिक जनजागरण अभियान के अंतर्गत महर्षि विद्या मंदिर फतेहपुर द्वारा श्री सिद्धपीठ ताम्बेश्वर धाम में श्री रामचरितमानस के सुन्दर-कांड का पारायण किया गया। इस अवसर पर भारत विकास परिषद् के अध्यक्ष श्री केशव राम त्रिपाठी, सचिव श्री सूर्यकांत मिश्रा एवं शहर के अन्य गणमान्य जन सम्मिलित हुए। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री प्रमोद त्रिपाठी ने कहा कि महर्षि जी के कई प्रकल्प उनके अन्नय शिष्य एवं महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के माननीय अध्यक्ष वेद विद्या मार्तण्ड ब्रह्मचारी गिरीश जी के निर्देशन में पूर्ण किये जा रहे हैं। महर्षि आध्यात्मिक जनजागरण अभियान का उद्देश्य, व्यक्ति, परिवार, समाज, राज्य एवं राष्ट्र में सतो गुणी चेतना जाग्रत कर अजेयता प्राप्त करना है।



## महर्षि विद्या मन्दिर बरेली

महर्षि विश्व शांति आंदोलन के तत्वावधान में महर्षि विद्या मन्दिर बरेली द्वारा सामूहिक सुन्दरकाण्ड का पाठ एवं हवन का आयोजन किया गया।





## महर्षि विद्या मन्दिर-5 जबलपुर

महर्षि आध्यात्मिक जनजागरण अभियान के अंतर्गत जनमानस में आध्यात्मिक भाव जागृत करने के उद्देश्य से महर्षि विद्या मन्दिर-5 जबलपुर में सुन्दरकाण्ड का आयोजन किया गया।

सुन्दरकाण्ड का प्रारंभ वैदिक परंपरा का अनुपालन करते हुये प्राचार्या, श्रीमति स्नेह चुतुर्वेदी द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात सुन्दरकाण्ड के पाठ का प्रारंभ किया गया।



## Maharishi Vidya Mandir, Thanjavur

Under the Maharishi Spiritual Citizens Awakening Campaign (MAJA), a grand spiritual programme was successfully organised at Maharishi Vidya Mandir, Thanjavur on 18th July 2025. On this occasion, students, teachers, and parents participated with great devotion and enthusiasm in collective meditation, chanting of shlokas, Vedic chanting, and singing of folk and devotional songs. All attendees prayed for universal welfare and took a pledge for establishing harmony and peace. It is truly a blessed moment as we came together, not just as educators and parents, but as spiritual companions in the sacred journey of nurturing young minds and pure hearts.



## महर्षि विद्या मन्दिर-2 जबलपुर



महर्षि विद्या मन्दिर नेपियर टाउन जबलपुर में महर्षि आध्यात्मिक जनजागरण अभियान (माजा) के अंतर्गत प्रातःकालीन श्री गुरु परंपरा पूजन, हेमाद्रि संकल्प, भावातीत ध्यान एवं सिद्धि, नवग्रह शांति मंत्र आदि कार्यक्रम पूर्ण श्रद्धा भाव के साथ संपन्न हुए।



# Academic & Co-curricular events of Maharishi Vidya Mandir Schools

## Maharishi Vidya Mandir-V Jabalpur

Plantation was done in Maharishi Vidya Mandir-V, Vijay Nagar, Jabalpur (M.P.) by social group & NGO, “Brahman Mahila Parishad. The ladies of the group had brought many plants and planted them with full enthusiasm and energy. They were informed about the T.M. & T.M. Siddhi and MAJA (महर्षि आध्यात्मिक जन-जागरण अभियान) program being conducted in the school & elsewhere.



## 4<sup>th</sup> Jujitsu District Championship Bhopal-2025

With the blessings of His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji MKH Ayodhya Nagar Bhopal organised 4th Jujitsu District Championship Bhopal-2025. Players from Bhopal and nearby places participated enthusiastically in this event. The main coordinator of the event was Mohan Singh Meena, Physical Education Teacher of Maharishi School and founder of Defence Martial Arts Academy.

25 students from Maharishi Kids Home Ayodhya Nagar Bhopal participated in various events in this championship. They got 8 gold, 9 silver, 6 bronze medals. All 8 winners were selected for the 11th Madhya Pradesh State Ju-Jitsu Championship 2025.





# Maharishi Vidya Mandir Silchar

## 9 Days 'MCBE COURSE-I' Teacher Training Programme

The 9 days Maharishi Consciousness Based Education Course I and the In-House CBSE Training Programme, 2025 for the teachers was conducted from 24th June to 2nd July 2025 at Maharishi Vidya Mandir, Silchar. Every day the program started with Gurupujan followed by chanting of Shanti Path, reading out Maharishi Ji's quotation and the review of the day. Everyday Transcendental Meditation was practiced twice daily. The 9 days training programme was found very useful by all the participants.



## महर्षि विद्या मन्दिर, तुमसर

महर्षि विद्या मंदिर तुमसर में 07 जुलाई को देव शयनी एकादशी (आषाढी एकादशी उत्सव) मनाया गया जिसमें महाराष्ट्र की प्रसिद्ध पंढरपूर वारी निकाली गई। अत्याधिक बारिश होने के कारण यह उत्सव इमारत के अंदर ही मनाया गया। हर्ष पशिने एवं रश्मि ठेंगरी ने विठ्ठल एवं रुक्मणी के परिधान में वारी में भाग लिया। अन्य छात्राओं ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किए। उपरोक्त वारी को इमारत के चारों मंजिलों में घुमाया गया जिससे सभी कक्षा के छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम का आनंद लिया।





## Maharishi Kids Home Ayodhya Nagar Bhopal

Maharishi Kids Home, Ayodhya Nagar, Bhopal, organized a grand and spiritually uplifting Vidyarambh Sanskar ceremony to mark the sacred beginning of a child's educational journey. The event was held in the school premises with great enthusiasm and traditional fervour.



## Ashadhi Ekadashi Celebration at MVM Chhindwara

Maharishi Vidya Mandir, Chhindwara celebrated Ashadhi Ekadashi with great devotion and cultural fervour. The event began with a traditional Palki Yatra carrying the idol of Lord Vitthal, followed by devotional songs (Bhajan) sung by students.

Children dressed in traditional Maharashtrian attire added charm to the celebration. Teachers and students participated enthusiastically in rituals and prayers, spreading spiritual energy across the campus. The program beautifully reflected the values of devotion, unity, and Indian culture.



## Maharishi Vidya Mandir Chhapara

Fruit Salad Fun, a delicious learning experience for our youngest learners was organized at Maharishi Vidya Mandir Chhapara.





## Maharishi Vidya Mandir, Ratanpur Bhopal

The first Scout and Guide batch of Maharishi Vidya Mandir Ratanpur Bhopal was formulated with great enthusiasm.



## Maharishi Vidya Mandir, Rayagada

On 23<sup>rd</sup> July 2025, MVM Rayagada organised plantation programme in school premises. Different plants like medicinal and flowering plants were planted by the respected personalities of Rayagada city.



## Maharishi Vidya Mandir, Jammu

Maharishi Vidya Mandir, Jammu, successfully organised a two-day 'Capacity Building Programme' (CBP) on 25th and 26th of July 2025, for educators on "Critical and Creative Thinking Skills", aligned with CBSE's Continuous Professional Development initiative. The programme aimed to equip educators with essential pedagogical tools that foster higher-order thinking, problem-solving, innovative, and reflective learning in classrooms.





## Maharishi Centre for Educational Excellence, Bhopal

On 30 June 2025, students from Classes 11<sup>th</sup> and 12<sup>th</sup> of MCEE Bhopal marked International Asteroid Day by attending an insightful session at the Regional Science Centre. The session, held from 10:30 am to 11:30 am., was conducted by Shri Saket Singh Kaurav, Director of the Regional Science Centre.

Shri. Kaurav, a distinguished science curator with a strong background of Physics and research in Astronomy and Astrophysics, captivated the students with his expertise on asteroids. The students were accompanied by their teachers Shri Dharamraj Kurmi, PGT Physics, and Smt. Tripti Sinha, PGT Mathematics.

The visit provided a valuable opportunity for the students to deepen their understanding of celestial bodies and the importance of International Asteroid Day, observed annually to raise public awareness about asteroid impact hazards and the measures that can be taken to protect Earth.



## Rainy day celebration at MVM Chhatarpur





# Chapter of Glory.....

## Alumni of MVM Schools

### Rohit Bhangе, Assistant Director, Ministry of Defence



"I Rohit Bhangе, am an alumni of Maharishi Vidya Mandir, Bilaspur, (Chhattisgarh) and presently serving as Assistant Director in the Ministry of Defence, Government of India.

I completed my schooling from Maharishi Vidya Mandir, Mangla, Bilaspur — from Nursery to Class 12. Thereafter, I completed B.Tech in Engineering Physics from IIT Bombay in 2015. By the grace of God and blessings of my Gurus and parents, I qualified the UPSC examination and got selected for Central Armed Police Forces in 2020.

If there is one thing I can point as the secret behind my success, it is the daily practice of Transcendental Meditation, which I learned in Maharishi Vidya Mandir, Bilaspur. It helped me to stay calm and focused during preparation.

I feel deeply grateful to the Principal and teachers of Maharishi Vidya Mandir, Bilaspur for the values, discipline and inner strength that made me stronger. I carry this school in my heart wherever I go".



## महा हर्बल आयुर्वेदिक चाय

चाय का स्वाद, अब सेहत के साथ

- ▶ एंटी ऑक्सीडेंट से भरपूर
- ▶ श्वसन संक्रमण, सर्दी-जुखाम एवं एलर्जी से सुरक्षा
- ▶ पाचन एवं तनाव की समस्या से राहत
- ▶ हृदय एवं मस्तिष्क को शांत रखने में सहायक
- ▶ अन्य संक्रमणों की रोकथाम में सहायक



आयुर्वेदिक चाय प्राप्त करने के लिये हमारी वेबसाईट [www.mahaherbals.biz](http://www.mahaherbals.biz) पर आर्डर करें।



## *"India Growing in Positivity with Rise of Coherence in Collective Consciousness"*



### **Magnum Wings: Chava Abhiram's startup pioneers India's air taxi revolution:**



Imagine a future where flying taxis are as accessible as cabs. Robotics engineer Chava Abhiram is bringing this vision to life through Magnum Wings, a Guntur-based startup pioneering India's air taxi revolution.

Founded in 2019, Magnum Wings has developed India's first two-seater air taxi prototype, the V2 eVTOL (electric Vertical Take-Off and Landing) model. The aircraft can reach speed of 100 km/h, cover 40 km, and fly at an altitude of up to 2,000 feet. Designed to ease urban congestion, this innovation offers a time-saving alternative to road travel.

Unlike many aviation projects, Magnum Wings is manufacturing its air taxis locally, with only the motors sourced externally. This approach reduces costs, creates jobs, and strengthens India's technological self-reliance. The V2 eVTOL features eight motors, eight propellers, and eight batteries, ensuring redundancy for safety. Even if multiple components fail mid-flight, the aircraft can continue operating. It also has an emergency parachute system. The model, with a payload capacity of 220 kg, accommodates two passengers and requires a landing space of just 3.5 to 4 metres.

With the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) drafting air taxi regulations, India is on the verge of an urban air mobility revolution. Magnum Wings is leading this transformation.

Building an aviation company in Guntur, a tier-three city, was challenging. Speaking to TNIE, Abhiram noted that finding skilled professionals delayed the company's growth. However, Magnum Wings now has over 60 employees and is preparing to launch its three-seater X4 model within a month. Abhiram, determined to establish Magnum Wings in his hometown, believes Amaravati's innovation-driven policies will support his venture.

Magnum Wings is also developing eVTOLs for medical logistics and police surveillance. These aircraft, capable of flying for six hours at altitudes of 4,000–5,000 feet, are suited for critical services.

### **NGO in Bengaluru creates mental health awareness through unique community sessions:**



Every alternate Sunday morning, a group of individuals gather in the tranquil embrace of Cubbon Park, Bengaluru, for a unique mental health session called 'Sundays for Mental Health', organised by a Kodagu-based NGO Mind and Matter.

As the gentle breeze sets the stage, participants attend the event not just to meet, but to connect. Through a variety of carefully curated games,



activities, paintings, etc, the NGO assist the participants to understand areas of different mental health such as communication, empathy, inter-personal relationships and more. In case someone comes up to them with a serious problem, the NGO refers it to mental health professionals.

### **Uttarakhand's forests set to flourish with bird-friendly flora:**

In a groundbreaking move to enhance avian habitats, the research wing of Uttarakhand's forest department is embarking on an ambitious plan to cultivate tree, shrub and vine species favoured by birds for feeding. "This initiative marks a significant step forward in our commitment to biodiversity and conservation," said a spokesperson from the forest department.

The programme will specifically target the hilly regions of the state and is being integrated into the department's 10-year action plan for the first time. According to sources, the Uttarakhand Forest Research Wing has initiated a comprehensive study to identify which birds depend on specific trees, vines and shrubs for food.



Chief Conservator of Forests (Planning) Sanjeev Chaturvedi shared insights with this newspaper, stating, "Experts have conducted studies in a location called Mandal in the Garhwal Himalayas. It was observed that the Himalayan ivy vine found in cedar forests attracts not just one or two, but 10 different species of birds that also make their nests there.

Similarly, birds are drawn to species like Buransh, Hisalu, Mehal, Tejpatta, Kilmoda, and Ghagra."

Chaturvedi further noted, "Uttarakhand is home to over 700 bird species, of which approximately 30 are endangered. Until now, conservation efforts for birds were not included in our action plans. However, for the first time, we are integrating this aspect into our initiatives. Additionally, regular surveys of identified bird conservation areas and other recommendations have been proposed."

According to forest officials, an increase in the diversity of tree species will naturally lead to a rise in bird populations. The upcoming action plan will specifically mention relevant species to ensure their cultivation and preservation.

Speaking with this newspaper, renowned ornithologist and bird expert Ajay Sharma, who boasts 30 years of experience in the field, emphasised the importance of native flora for bird conservation.

"Barbet species and hornbills play a crucial role in the forest ecosystem by aiding in the planting of 50 to 70 varieties of wild and common fruit-bearing plants," he stated.

Sharma revealed, "To enhance bird habitats, the department should promote the planting of species such as Silver Oak, Semal, Indian Silk Cotton tree, Indian Fig tree, Kapoor tree, and Ashoka tree. These trees are particularly favoured by birds, who are attracted to them to create their nests."



# Wellness News

## Healthy Diet and Nutrition Plan for This Monsoon



Monsoon has arrived and it is soothing relief from the unbearable summer heat. However, we need to remember that the monsoon also invites a lot of health issues with it. As the rainy season affects the immune system of our body, it is very important to be extra careful about what we eat and drink during this season. So let's discuss monsoon diet plan to enjoy the blossom of this season.

The lower immune system is one of the main reasons various common monsoon diseases find their way in our body. A healthy diet is a key to good health. Here are some smart tips for healthy diet in monsoon.

### *Healthy Diet Tips for Rainy Season:*

**Eat Seasonal Fruits:** Fruits like apples, jamuns, litchi, plums, cherries, peaches, papayas, pears and pomegranates are some of the best additions to your diet in rainy season to improve the immune system. Avoid watermelon and muskmelon.

**Garlic:** A hint of garlic here and there in your food will help in improving your immune system.

**Curd over Milk:** Instead of milk, prefer to have curd or yogurt as it avoids any possibility of bad bacteria entering the body.

**Boiled Water:** Prefer only boiled or purified water. Avoid drinking tap water directly.

**Bitter is better:** Vegetables like methi and bitter gourd, neem and turmeric as addition to the diet can help in preventing infections.

**Herbal Warm Water:** Those who suffer from infections and fever during rainy season can find relief with decoction prepared from ingredients like ginger, tulsi, and a dash of medicinal spices like cloves, pepper, cinnamon, cardamom.

**Oils:** Sesame, peanut, and mustard oil can invite infections thus prefer to use corn oil or light oil.

**Avoid Salt:** Lower down the salt intake as it causes water retention and high blood pressure which may cause additional problems in the rainy season.

**Avoid Watery Foods:** Buttermilk, lassi, rice, watermelon etc. can cause swelling in the body. Avoiding such foods will take care of the water retention.

**Avoid Spicy Food:** If you are prone to allergies, avoid spicy food as it increases body temperature and stimulates blood circulation which leads to the faster spread of allergies

**Steam it:** Avoid raw salad and make sure to steam it before eating during the rainy season.

**Avoid Street-Food:** Pre-cut fruit, fried food, junk food or any street-food should be avoided completely.



# News Clippings

**विजयपुर**  
परिचय प्राप्त की

30-मार्च-2019 को गुरुजी का जन्म हो गया। गुरुजी 1-1-1984 को जन्म हुए थे। गुरुजी का जन्म 30-मार्च-2019 को हुआ। गुरुजी का जन्म 30-मार्च-2019 को हुआ।

ई-पत्रिका

## सुख शांति समृद्धि

संपादक: जीतु सोमपुरा

सुख शांति समृद्धि प्राप्त करने की कला सीखाती विद्यापीठ

**गुरुपूणिमा विशेषांक (भाग 1)**

गुरुपूणिमा के पाठ्यक्रम पर गुरुजी का जन्म हो गया। गुरुजी का जन्म 30-मार्च-2019 को हुआ। गुरुजी का जन्म 30-मार्च-2019 को हुआ।

मोबाइल पर सुख शांति समृद्धि की प्रेरणा प्राप्त हेतु whatsapp करें: 9324446687

## जीवन की समस्त सफलताओं की प्राप्ति के लिए उपाय श्री गुरुचरणों में ही विद्यमान हैं: ब्रह्मचारी (डॉ.) गिरीश जी

ब्रह्मचारी (डॉ.) गिरीश जी, अध्यक्ष-महर्षि शैक्षणिक संस्थान समूह: आषाढ़ पूर्णिमा श्री गुरु पूर्णिमा या व्यास पूर्णिमा के नाम से भी ज्ञात है। भारतीय परम्परानुसार इस दिन समस्त शिष्य अपनी अपनी गुरु परम्परा और अपने अपने गुरु चरणों का पूजन करते हैं। उनके द्वारा प्रदत्त ज्ञान का स्मरण करते हैं, उस ज्ञान को आत्मसात करने का संकल्प दोहराते हैं। अपने गुरु की सेवा रूप में और उनकी छत्रछाया में भारतीय वैदिक ज्ञान विज्ञान को, अध्यात्म को, धर्म को अपने स्वयं के जीवन में उतारने का कार्यक्रम बनाकर उसका क्रियान्वयन करते हैं और ज्ञान को जनमानस तक पहुँचाने का संकल्प लेकर कार्य प्रारम्भ करते हैं।

गुरु का स्थान अत्यंत ऊँचा है, वही ब्रह्मा हैं, वही विष्णु हैं और वही शिव हैं, वे परम ब्रह्म हैं। अर्थात् वही ऋषि हैं, वही देवता हैं और वही छन्द तत्व हैं, और सब का योग होकर वही संहिता रूप हैं। गुरु त्रिगुण सहित भी हैं, और उसी



समय त्रिगुण रहित भी हैं। ज्ञानशक्ति के सागर होते हुए वे क्रियाशक्ति के स्रोत भी हैं। गुरु ही सर्व कल्याणकारी हैं।

जीवन के पूर्ण विकास के लिए, समस्त उपलब्धियों के लिए और समस्त सफलताओं की प्राप्ति के लिए उपाय श्री गुरुचरणों में ही विद्यमान हैं। इसीलिए तो श्री गुरु चरणों का पूजन किया जाता है, उनका नित्य आभार प्रकट किया है। साक्षात् गुरु उपस्थित न हों तो उनकी चरण पादुकाओं का पूजन किया जाता है। वेद का मार्गदर्शन है कि मानसिक रूप से भी गुरु चरणों की वंदना कर ली जाये, ध्यान कर लिया जावे तो मनवांछित

पूर्ण फल की प्राप्ति हो जाती है।

गुरु गीता में कहा है:

ध्यानमूलं गुरोर्मूर्तिः पूजामूलं

गुरोः पदम्।

मन्त्रमूलं गुरोर्वक्त्रं मुक्तिमूलं

गुरोः कृपा॥

अर्थात् जो कुछ भी करें वह गुरु के निमित्त करें और फल तो जीवन के उत्थान का ही होगा, जीवन धन्य ही होगा। अतः गुरुजनों के शिष्यजनों से निवेदन है की श्री गुरु पूर्णिमा के अवसर पर तो गुरु स्मरण करें ही, उनका पूजन तो करें ही, उनका आशीष प्राप्त करें किन्तु जीवन के प्रत्येक क्षण में गुरु की स्मृति बनाये रखें, प्रत्येक क्षण गुरु चरणों में समर्पण भाव बनाये रहें। यही सर्व कल्याण का मार्ग है। यही शिक्षा हमारे गुरुदेव परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी ने दी है, और उन्हें यही शिक्षा उनके गुरु अनंत श्री विभूषित जगत गुरु शंकराचार्य ज्योतिषपीठोद्धार स्वामी ब्रह्मनंद सरस्वती जी महाराज ने प्रदान की थी। जय गुरुदेव, जय महर्षि।

## महर्षि की छात्रा दिशा शर्मा का क्रिकेट टीम में चयन

शहडोल: महर्षि विद्या मंदिर सीनियर सेकंडरी स्कूल की छात्रा दिशा शर्मा का



दिशा शर्मा

चयन प्रदेश की अंडर-16 महिला क्रिकेट टीम में चयन हुआ है। दिशा शर्मा के पिता राजेश शर्मा और मां सुमन शर्मा हैं। दिशा

कक्षा 10वीं की छात्रा हैं। इंदौर में आयोजित होने वाले अंडर-16 क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए मध्यप्रदेश की टीम में चयनित होकर दिशा ने विद्यालय व जिले का नाम ऊँचा किया है। इनकी सफलता पर प्राचार्य डा. भावना तिवारी व स्टाफ ने बधाई दी है।-नप्र

## ब्रह्मचारी गिरीश ने 121 वैदिक पंडितों के साथ किया द्वादश ज्योतिर्लिंगों का महारुद्राभिषेक



भोपाल। श्रावण मास के तीसरे सोमवार को गुरुदेव ब्रह्मानन्द सरस्वती आश्रम के महर्षि उत्सव भवन में महर्षि संस्थान के प्रमुख वेद विद्या मार्तण्ड ब्रह्मचारी गिरीश जी ने 121 महर्षि वैदिक पंडितों के साथ द्वादश ज्योतिर्लिंगों का महारुद्राभिषेक संपन्न किया। रुद्राभिषेक प्रारम्भ होते ही भगवान इन्द्र ने सारे वातावरण को वर्षा कर जलमग्न कर दिया। इस अवसर पर नगर के अनेक गणमान्य नागरिक, महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ और महर्षि विद्या मन्दिर परिवार के समस्त निदेशकगण, अधिकारीगण, कार्यकर्ता और श्रद्धालु उपस्थित थे। ब्रह्मचारी ने अपने उद्बोधन में कहा रुद्ररूपी भगवान शिव का अभिषेक जीवन के लिए समस्त उपलब्धियों का प्रदाता



# गुरु ही हमें बनाते हैं बेहतर इंसान: डॉ. वर्मा

गुरु पूर्णिमा पर श्रद्धा भाव से हुआ गुरुओं का सम्मान, मार्गदर्शन में चलने का लिया संकल्प, महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट एण्ड टेक्नोलॉजी में गुरुपूर्णिमा महोत्सव

लोकस्वर, मिडिया नेटवर्क

**बिलासपुर।** महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट एण्ड टेक्नोलॉजी में गुरुपूर्णिमा महोत्सव शुभधाम से मनाया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. गिरिश चन्द्र वर्मा के संस्कार में तथा कुलपति प्रो. (डॉ.) प्रमोद कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम गुरुपूजन परम्परा से प्रारंभ हुआ। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति ने कहा कि गुरु पूर्णिमा के दिन हम सब अपने गुरु की पूजा करते हैं क्योंकि गुरु हमें बेहतर इंसान बनने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। इसके बाद कुलसचिव डॉ. विजय गारुडिक ने विश्वविद्यालय का वार्षिक प्रगतिवर्तन बहमलीन महर्षि महोत्सव योगी को समर्पित किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि गुरुपूर्णिमा का दिन गुरु सम्मान का दिन है। गुरुकुल शिक्षा को परंपरा धीरे-धीरे समाप्त हो रही है, इस पर विचार करने की जरूरत है। गारुडिक ने कहा कि बहमलीन महर्षि महोत्सव योगी के विचारों की शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद व स्वास्थ्य पर भी ध्यान देने की



जरूरत है। अधिष्ठाता डॉ. किरण श्रीवास्तव ने महर्षि के स्वरों को साकार होता देख खुशी जताते की। सह आचार्य डॉ. गरिमा ने महर्षि के विचार और परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए अपने विचार रखे। सहायक कुलसचिव (परिक्षा) डॉ. अमृता बिपाठी ने महर्षि के भावनात्मक ध्यान को केंद्र में रखत हुए अपनी बात कही। सहायक आचार्य डॉ. शिल्पा सरकार ने स्वामी रामकृष्ण परमहंस और स्वामी विवेकानंद के धन, वैराग्य और गुरु की शिक्षा पर अपनी बात रखते हुए कहा कि गुरु के बिना कुछ भी मिलता था संभव नहीं है।

डॉ. बृजेश कुमार ने वैदिक गुरुपरंपरा को बात करते हुए कहा कि शिक्षक को रोजगारपरक शिक्षा देने होनी जिससे छात्रों को रोजगार मिल सके। डॉ. योगेंद्र झा ने हम सुधरेगे जग सुधरेगा... को बात करते हुए गुरुपरंपरा को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। विश्वविद्यालय की छात्रा किरण वादव ने कृष्ण भक्ति पर नृत्य को प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में रंग जमाया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. योगेंद्र शर्मा एवं धन्यवाद ज्ञापन जितेंद्र गौतम ने किया। इस अवसर पर समस्त अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

## परमात्मा सद्गुरु, जो जन्म-जन्म की प्राप्ति कराने वाले हैं: बीके स्वाति

विश्व में अनेक विद्वत् मन्त्रा जन्ते हैं। जैसे मारो हैं, फाँसे हैं, टाँसे हैं परंतु गुरु के लिए कभी कोई विद्वत् नहीं लौकिक गुरु पूर्णिमा का त्यौहार मनाया जाता है, क्योंकि गुरु तब तक इस जीवन में ही नहीं बल्कि जन्म-जन्मों की प्राप्ति कराने वाला होता है। उपरोक्त वक्तव्य गुरु पूर्णिमा के अवसर पर प्रख्यात ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्व शिक्षण के मुख्य शाखा देवीचोकन एक्सप्रेस रोड बिलासपुर में आयोजित गुरु पूर्णिमा की स्वाति ने कहा। उन्होंने बताया कि हमारे पहले गुरु हमारे माता-पिता हैं। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन की शुरुआत करने के लिए माता-पिता की जरूरत पड़ती है। इसी तरह उसे जीवन में शिक्षा को प्राप्त करने के लिए शिक्षक की जरूरत पड़ती है। इस अवसर पर वरिष्ठ राज्यीय शिक्षिका बीके स्वाति ने कहा कि जिस प्रकार से कुम्हार बड़े की ऊँच से तो खर करता है पर अंदर से खरारा देता है उसी प्रकार गुरु भी भले ऊँच से दुकड़ी करेगा परंतु वह गिरने को खरारा देता है। सभी साधकों ने स्वाति दीदी, सांघी एवं अन्य सभी समीक्षित बहनों को शिक्षक, पुनरी, नारियल, बुके देकर तथा आरती करके गुरु पूर्णिमा मनाया।



## गुरुओं की पवित्रता ने दुनिया को दुर्गति से बचाया: बीके मंजू



गुरुवार सुबह टिकराबाग में गुरु परम्परा से लेकर परम्परा की प्राप्ति को समझ रखते हुए सभी का प्रन्दन करते हुए भोग स्वीकार कराया गया। इस अवसर पर ब्रह्म कुमारी मंजू ने अनुभव साझा करते हुए गुरुओं का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि 1976 में अल्पायु में ही गुरु पूर्णिमा के दिन ब्रह्मकुमारी परम्परा का परिचय प्राप्त हुआ। स्वामी सदानंद सरस्वती से आत्मीय व विभिन्न वार्षिक क्रियाओं का ज्ञान प्राप्त हुआ। 1982 में ईश्वरीय धार में मगनता की सेवा के लिए ब्रह्मकुमारी संस्थान में जीवन समर्पित करने की प्रेरणा मिली। उन्होंने कहा। हल्के जीवन की प्रथम गुरु हमारी माँ होती हैं। वे पितृ का साथ देती हैं। वे जिस दिशा में हमें ले जाते हैं हम वही चले जाते हैं और उनकी ओर प्रवृत्त करते हैं। इस अवसर पर बीके गायत्री ने सभी बहनों व ईश्वरीय परिवार की ओर से सुभी मंजू का अक्षर प्रकट करते हुए कहा कि उन्होंने हम सभी की प्यार व शिक्षाओं से परिवर्तित की है। हम अलग अलग स्वामी से विभिन्न संस्कारों को लेकर आते हैं लेकिन हमें मुकुने, खान करने व आने बढ़ते रहने की सीख देकर एकमुख में बंधाकर रखा। सभी ने गुरुओं के चित्त पर बड़ा नमन अर्पित करते व भोग स्वीकार किया।

## आश्रम की साफ-सफाई की दैनिक जरूरत का सामान बांटा

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सीए मोनिशा चंदवानी के साथ उनकी सहोदरियों महक तोलानी, पलक रोचवानी व संगीता चंदवानी ने मिलकर जोरपाठा स्थित बुद्धाश्रम में साफ-सफाई की इसके बाद केक बांटे। इसके बाद दैनिक आवश्यकताओं की वस्तुओं का वितरण कर बुजुर्गों को अपनत्व का अनुभव कराया। इस अवसर पर संस्था नई भूतल की संयोजिका रेखा अहलुजा व सताराम जेटमस्तनी भी उपस्थित थे।



## आज फतेहपुर

कानपुर  
27 जून 2025 3

## एनसीसी कैडिटों को नशे से दूर रहने की दिलाई शपथ



कार्यक्रम को संबोधित करते प्रधानाचार्य

आज समाचार सेवा  
फतेहपुर, 26 जून। शहर के महर्षि विद्या मंदिर स्कूल में बसीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय बला निरोधक दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रमोद त्रिपाठी ने एन.सी.सी. की जूलियर एवं

दिलसर्वा से समय निकालकर कुछ समय अपने बच्चों के साथ भी बिताए तथा उन्हें निरंतर संवाद बनाये रखें। इस अवसर पर एन. सी. सी. सीनियर वर्ग के कैप्टन रोहित दत्त एवं जूलियर वर्ग के ए. एन. ओ. विपिन मिश्रा ने भी कैडेटों को संबोधित किया। इस मौके पर विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

## महर्षि विद्या मंदिर में सुंदरकांड व हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन



**अबिकापुर @ पत्रिका.** महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय परिवार द्वारा महर्षि आध्यात्मिक जनजागरण अभियान के तहत सुन्दरकाण्ड पाठ एवं हनुमान चालीसा का आयोजन किया गया। महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के अध्यक्ष वेद विद्या मारुण्ड ब्रह्मचारी डा. गिरिश के मार्गदर्शन एवं विद्यालय प्राचार्य हेमन्त मिश्रा के दिशा निर्देशन में 'माजा' कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक, अभिभावक एवं आसपास के नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत गुरुपूजन से हुई। ध्यान एवं सिद्धि प्रशासक सुनील गुप्ता ने सामूहिक प्राणायाम एवं ध्यान कराया। ध्यानोपरान्त उन्होंने भावातीत ध्यान से होने वाले विभिन्न लाभों को बताया। तत्पश्चात् विद्यालय शिक्षिका एवं माजा संयोजक सोनी झा ने 'माजा' का

परिचय एवं इसके मूल उद्देश्यों से सभी की अवगत कराया। उन्होंने बताया कि माजा केवल संगठन ही नहीं अपितु यह महर्षि आध्यात्मिक जनजागरण अभियान है। एक ऐसा आंदोलन जो व्यक्ति के आत्मविश्वास से राष्ट्र की पुनर्रचना की एक दिव्य यात्रा है। यह आंदोलन व्यक्ति के भीतर चेतना की लौ जलाकर समाज और राष्ट्र को आलोकित करने का सत्प्रयास करता है। राधा कृष्ण सेवा समिति अबिकापुर की कथा वाचिका अंजली मिश्रा ने प्राचार्य से निवेदन किया कि ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से कराए। उन्होंने कहा कि माजा का उद्देश्य मात्र यही है कि घर-घर में रामचरितमानस और भागवत गीता का नियमित पाठ हो, जिससे घर समाज एवं राष्ट्र के वातावरण में सात्विक गुण की प्रधानता विकसित हो जिससे लोक मंगल एवं जनकल्याण हो सके।



# e-Gyan Digital Newsletter

Dear Readers,

We are very pleased to release 195<sup>th</sup> Edition of e-Gyan Monthly Digital Newsletter. All previous editions of e-Gyan Monthly Newsletter have been sent to you through e-mails. In every edition of e-Gyan, we are requesting you to send related information of your field. The response has been good but not total. We want to have information from all of our India's Maharishi organisations so that the students and others get proper encouragement when they find themselves on the e-Gyan pages.

e-Gyan Monthly News Letter is released in the first week of every calendar month. You must send e-Gyan matters so that they are received by us before 15<sup>th</sup> of every month. e-Gyan Monthly Digital News Letter is circulated to all members, employees, well-wishers, students, millions of Meditators, Siddhas, Devotees of Maharishi Global Organisations around the globe and people's representative and other members of the civil societies.

## **E-Gyan Monthly News Letter contains the following:**

1. Courses currently run by Maharishi schools/colleges/institutions and universities.
2. Information on any new course/programme added in Maharishi schools/colleges/institutions and universities with its schedule, course details and venue.
3. Starting of new building construction, report on Bhumi puja or vastu puja or foundation stone ceremony.
4. Inauguration or graha pravesha or public offering of new building.
5. Special achievement of any Maharishi Organisation.
6. Special achievement of Staff or faculty of any Maharishi Educational Institution.
7. Special achievements or award received by Students in the field of academics, sports, arts, music, culture, language, general knowledge, quiz, talent search or any other competition on district, state, national and international level.
8. Report on NCC, NSS, Scouts, Adventure programme/trip.
9. High-level placement of graduates in national, international or multinational organisations/corporations.
10. Outstanding performance of ex-students of Maharishi Educational Institutions.
11. Publication of any paper by Faculty, Students, Staff, research department or organisation.
12. News coverage in local, state, national level newspapers, TV, radio, web site.
13. Selection of students in civil services, IIM, IIT, PMT, IIT, NDA, IMA, IFS, IRS, Armed Force or in any other institution of national importance.
14. List of outstanding government or private special projects taken by the organisation.
15. Launching of new product or programme with details, availability, and price.
16. Details of products already in market.



17. Creative writings on different topics, such as cultural/social and historical issues.
18. Offering Vedic solution to any social problem.
19. Performance of any special Anushtan or Yagyas.
20. Vedic celebration reports.
21. Excursion tour reports.
22. Corporate visit, corporate training etc.
23. Visit of national and international dignitaries and their remarks.
24. Appreciation, recognition or awards received by Maharishi Organisations.
25. Report on academic or commercial collaborations.
26. Report on Maharishi Vedic Organic Agriculture.
27. Report on monthly Initiations in TM, Siddhi course and Advance Techniques.
28. Report on activities of Maharishi Global Movement.
29. Report on any other similar subject or area, which is not covered here but worth reporting.

We invite news, articles and reports from all Maharishi Organisations, their leaders, members, faculty, staff, students and all readers. Please note that all news reports must be authentic, original, true and correct. The writers of articles should send a note that the article is their original article.

Please also note that all contents should be sent in soft copy through e-mail ([cpr@mssmail.org](mailto:cpr@mssmail.org)) as word document file or in a PEN Drive to Shri V. R. Khare, Director CPR, Maharishi Vidya Mandir Schools Group, MCEE Campus, Building No-5, Lambakheda, Berasia Road, Bhopal, Madhya Pradesh, PIN 462038). Hard copy should be neatly typed (“Times New Roman” font for English and “Devnagri” or “Chanakya” font for Hindi) and should be sent to above-mentioned address. High quality/resolution pictures and graphics will be very useful to make your report better looking and will be much interesting for readers. Editorial Board of e-Gyan Monthly News Letter will not be responsible for any copyright issues of reports.

Once a matter of false reporting comes to the Board, e-Gyan Monthly Newsletter will never publish reports of the sender in future and will inform it’s readers about this.

Please recommend all your friends and relatives to subscribe e-Gyan Monthly Digital News Letter and to visit web site [www.e-gyaan.net](http://www.e-gyaan.net).

With All the Best Wishes  
Jai Guru Dev, Jai Maharishi

**V. R. Khare**  
For Editorial Board,  
E-Gyan Monthly Digital Newsletter

*Copyright © 2025 by Maharishi Ved Vigyan Prakashan*

*All rights reserved. No part of e-Gyan Monthly Digital News Letter may be reproduced, distributed, or transmitted in any form or by any means, including Photocopying, recording, or other electronic or mechanical methods, without the prior written permission of Maharishi Ved Vigyan Prakashan.*

*Maharishi Ved Vigyan Prakashan, Chhan, Bhojpur Temple Road, Post - Misrod, Bhopal, Madhya Pradesh, Phone: +91 755 4087351*